Reporters Required!
For
Delhi, Haryana, UP, Ludhiana, Shimla, Bihar, Jammu, Jaipur Amritsar, Bathinda,
Call/WhatsApp:
+91-9157875000
+91-9815619715
Email:
azadvaani65@gmail.com

Monthly Hindi/English Newspaper

Published from SAS Nagar (Mohali)

Azad वाणी

NEWS • VIEWS • ANALYSIS

RNI No.
PBBIL/26/A0779

Sun - 17 May - 2026 | Year - 01 | Issue - 41 | Page - 01 | Rs. - 5 | www.azadvaani.com

ट्राइसिटी में मेट्रो परियोजना की मांग तेज, संसद में उठा मुद्दा

जोड़ने वाली मेट्रो परियोजना की जोरदार मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि ट्राइसिटी क्षेत्र की आबादी तेजी से बढ़ रही है और रोजाना लाखों लोग काम, शिक्षा और व्यापार के लिए एक शहर से दूसरे शहर आते-जाते हैं। ऐसे में ट्रैफिक जाम और बढ़ते प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है।

सतनाम सिंह संधू ने संसद में कहा कि ट्राइसिटी उत्तर भारत का तेजी से विकसित हो रहा शहरी क्षेत्र बन चुका है, लेकिन सार्वजनिक परिवहन की मौजूदा व्यवस्था भविष्य की जरूरतों के अनुसार पर्याप्त नहीं है। उन्होंने केंद्र सरकार से जल्द मेट्रो नेटवर्क परियोजना को मंजूरी देने और इसके लिए विस्तृत योजना तैयार करने की मांग की।

उन्होंने यह भी कहा कि मेट्रो सेवा शुरू होने से लोगों को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का विकल्प मिलेगा। इससे सड़कों पर वाहनों का दबाव कम होगा और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी। व्यापार, रोजगार और रियल एस्टेट सेक्टर को भी इस परियोजना से बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

हिमाचल निकाय चुनावों में मतदान जारी, 51 शहरी निकायों में लोकतंत्र का उत्साह

राज्य के 51 शहरी निकायों में मतदान जारी है, जहां मतदाता अपने स्थानीय प्रतिनिधियों का चयन करने के लिए बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुंच रहे हैं। चुनावों में चार नगर निगमों सहित कई नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए वोट डाले जा रहे हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। संवेदनशील मतदान केंद्रों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, जबकि मतदान प्रक्रिया पर नजर रखने के लिए अधिकारियों की विशेष टीमें भी सक्रिय हैं। प्रशासन ने मतदाताओं से बिना किसी डर या दबाव के अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है।

गर्मी से तपे ट्राइसिटी को आंधी ने दी राहत, धूलभरी हवाओं से बदला मौसम का मिजाज

17 मई 2026 : पिछले कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी के बाद रविवार शाम मौसम ने अचानक करवट ले ली। दिनभर तेज धूप और उमस से लोग बेहाल रहे। तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया, जिससे सड़कों पर आवाजाही कम रही और लोग घरों में रहने को मजबूर दिखे। हालांकि शाम होते-होते आसमान में काले बादल छा गए और तेज आंधी के साथ धूलभरी हवाओं ने पूरे ट्राइसिटी क्षेत्र का मौसम बदल दिया।

अचानक चली तेज हवाओं के कारण कई इलाकों में पेड़ों की शाखाएं टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जबकि कुछ स्थानों पर बिजली आपूर्ति भी प्रभावित हुई। धूलभरी आंधी के चलते वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा और विजिबिलिटी कम होने से ट्रैफिक की रफ्तार धीमी पड़ गई। कई बाजारों में दुकानदारों ने एहतियातन अपने शटर आंशिक रूप से बंद कर दिए। तेज हवाओं के कारण लोगों को गर्मी से कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन वातावरण में धूल बढ़ने से सांस संबंधी दिक्कतों वाले मरीजों को परेशानी झेलनी पड़ी।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में ट्राइसिटी क्षेत्र में मौसम लगातार बदलता रह सकता है। विभाग ने हीटवेव और हल्की से मध्यम बारिश दोनों की संभावना जताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि पश्चिमी विक्षोभ और बदलते वायुमंडलीय दबाव के कारण उत्तर भारत के कई हिस्सों में ऐसा मिश्रित मौसम देखने को मिल रहा है। दिन के समय तेज गर्मी और शाम के समय आंधी या बूंदाबांदी की स्थिति अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है।

प्रशासन ने लोगों को खराब मौसम के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है। खुले स्थानों पर खड़े वाहन, कमजोर पेड़ों के नीचे खड़े लोग और निर्माण स्थलों पर काम कर रहे मजदूरों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है। साथ ही नागरिकों से अपील की गई है कि वे तेज गर्मी के दौरान पर्याप्त पानी पिएं और दोपहर में अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचें।

स्थानीय लोगों का कहना है कि आंधी और हवाओं से तापमान में थोड़ी गिरावट आई है, जिससे शाम का मौसम सुहावना हो गया। बच्चों और युवाओं ने पार्कों और खुले स्थानों में मौसम का आनंद लिया, जबकि कई परिवार गर्मी से राहत मिलने पर घरों से बाहर घूमने निकले। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि आने वाले सप्ताह में ट्राइसिटी में मौसम का यह उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है।

महंगाई का झटका: पंजाब और ट्राइसिटी में वेरका दूध के बढ़े दाम

17 मई 2026 : दूध की कीमतों में हुई इस वृद्धि का सीधा प्रभाव मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ सकता है, क्योंकि दूध रोजमर्रा की जरूरतों में शामिल है। शहरों और आसपास के इलाकों में बड़ी संख्या में लोग वेरका दूध का उपयोग करते हैं, ऐसे में कीमत बढ़ने से उपभोक्ताओं में चिंता देखी जा रही है।

डेयरी विभाग और बाजार विशेषज्ञों के अनुसार पशु चारे, परिवहन, बिजली और उत्पादन लागत में लगातार बढ़ोतरी के कारण दूध के दाम बढ़ाने का फैसला लिया गया है। पिछले कुछ महीनों में डेयरी उद्योग पर लागत का दबाव लगातार बढ़ रहा था, जिसके चलते कीमतों में संशोधन आवश्यक माना गया।

नई कीमतें लागू होने के बाद दुकानदारों और डेयरी

विक्रेताओं ने संशोधित रेट पर दूध की बिक्री शुरू कर दी है। उपभोक्ताओं का कहना है कि पहले से बढ़ती महंगाई, रसोई गैस और खाद्य पदार्थों की कीमतों के बीच दूध का महंगा होना अतिरिक्त आर्थिक बोझ साबित हो सकता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि दूध की कीमतों में बढ़ोतरी का असर अन्य डेयरी उत्पादों जैसे दही, पनीर, मिठाई और चाय-कॉफी के कारोबार पर भी पड़ सकता है। होटल, ढाबों और रेस्तरां संचालकों को भी अब अपनी लागत बढ़ने की चिंता सताने लगी है।

हालांकि कुछ लोगों का कहना है कि डेयरी किसानों को उचित मूल्य दिलाने और उत्पाद की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समय-समय पर कीमतों में संशोधन जरूरी होता है। इसके बावजूद आम जनता को उम्मीद है कि आवश्यक वस्तुओं की लगातार बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार प्रभावी कदम उठाएगी।

ट्राइसिटी लोक अदालत में बड़ी सफलता, 40 हजार से अधिक मामलों का हुआ निपटारा

आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालतों में न्यायिक व्यवस्था को बड़ी सफलता मिली है। ट्राइसिटी क्षेत्र में आयोजित इन लोक अदालतों के दौरान 40 हजार से अधिक मामलों का आपसी समझौते और सहमति के आधार पर निपटारा किया गया। अदालतों में लंबित मामलों को तेजी से सुलझाने के उद्देश्य से लगाए गए विशेष बेंचों में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

लोक अदालतों में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, बिजली-पानी बिल विवाद, वैवाहिक मामले, चेक बाउंस, बीमा क्लेम, मोटर दुर्घटना मुआवजा और अन्य सिविल मामलों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया गया। कई मामलों में पक्षकारों ने आपसी सहमति से समझौता कर वर्षों पुराने विवाद समाप्त किए।

न्यायिक अधिकारियों के अनुसार इस विशेष अभियान के दौरान करोड़ों रुपये के मुआवजे और वित्तीय सेटलमेंट भी किए गए। मोटर एक्सीडेंट क्लेम और बैंकिंग विवादों से जुड़े मामलों में बड़ी राशि का भुगतान तय हुआ, जिससे प्रभावित लोगों को राहत मिली। लोक अदालतों के जरिए न केवल अदालतों पर लंबित मामलों का बोझ कम हुआ, बल्कि लोगों को कम समय और कम खर्च में न्याय भी प्राप्त हुआ।

अधिकारियों ने बताया कि लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य विवादों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाना और न्याय प्रक्रिया को सरल बनाना है। इसमें दोनों पक्षों की सहमति से समाधान निकाला जाता है, जिससे लंबी कानूनी प्रक्रिया से बचाव होता है। कई परिवारिक और सामाजिक विवाद भी आपसी बातचीत से हल किए गए, जिससे रिश्तों में सुधार देखने को मिला।

ट्राइसिटी के न्यायिक अधिकारियों ने आम नागरिकों से भविष्य में भी लोक अदालतों का लाभ उठाने की अपील की है। उनका कहना है कि यह व्यवस्था लोगों को तेज, सस्ता और प्रभावी न्याय उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। बड़ी संख्या में मामलों के सफल निपटारे को न्यायपालिका और प्रशासन की संयुक्त उपलब्धि माना जा रहा है।

TruSoft | GST ACCOUNTING SOFTWARE WITH INVENTORY CONTROLS ERP | Software that touches every part of your business.

Advertisement

SOFTWARE & WEB DEVELOPMENT

"Design is not just what it looks like and feels like. Design is how it works."

CUSTOM SOFTWARE DEVELOPMENT | WEB DEVELOPMENT | MOBILE APP DEVELOPMENT | CLOUD SOLUTIONS

ACCURATE ACCOUNTING
INVENTORY CONTROLS
GST COMPLIANCE
SIMPLE & SECURE
RELIABLE SUPPORT

CALL US TODAY!
+91-9041012531

Software for Manufacturers, Traders, Dealers/Distributors

ALSO FOR:
Clinical Labs, Schools, Drycleaners, Transportation
Pharmaceuticals, Library, Non Banking/Finance, Weighing Scales
Institutes, Readymade Garments, Dairies, Cold Storage
Hotels, Restaurants, Apparels, Footwear, Shuttering, Sabzi Mandi

www.trusofterp.com | support@trusofterp.com | Smart Solutions. Stronger Businesses

herbegy™
Think pure think herbal

PREMIUM SPICES RANGE

Pure Spice. Rich Flavour.

PURE | AROMATIC | PREMIUM QUALITY

Advertisement

For Dealer Inquiry Contact:

727-515-0015